सैकेंडरी स्कूल परीक्षा
मार्च – 2019
अंक-योजना – हिंदी 'अ' कोड संख्या 3/2/1 - 2, 3

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

<u>विशेष निर्देश</u> :

परीक्षार्थी तय शुल्क देकर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त कर सकते हैं। परीक्षक यह सुनिश्चित करें कि उन्हें प्रत्येक प्रश्न की अंक योजना के अनुसार ही उत्तर का मूल्यांकन करना है।

1. पहले दिन परीक्षकों के साथ जब तक वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक योजना पर भली-भाँति विचार-विनिमय नहीं हो जाता, तब तक मूल्यांकन आरंभ न किया जाए।
2. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।
3. मूल्यांकन-कार्य अपनी निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।
4. प्रश्न के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएँ, बाद में उपभागों के इन अकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
5. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर भी लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न / प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें / उन्हीं पर अंक दें।
6. प्रश्नों के उत्तर यदि बिंदुओं में अपेक्षित हों और परीक्षार्थी अपेक्षा से अधिक बिंदुओं का उल्लेख करे तो सही बिंदु / बिंदुओं पर अंक दें और शेष / अनुपयुक्त बिंदुओं को काट दें।
7. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें।
8. प्राय: यह प्रवृत्ति देखी जाती है कि परीक्षक सहानुभूति में 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थी को 33 प्रतिशत अंक देकर उत्तीर्ण कर देते हैं, या कहीं एक अंक केवल इस आधार पर काट देते हैं कि पूरे अंक नहीं दिए जा सकते। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने - 0 से 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक भी दिए जा सकते हैं।

9. कृपया सुनिश्चित करें कि निम्नलिखित प्रकार की अशुद्धियाँ न होने पाएँ –

- उत्तर पुस्तिका में कोई संपूर्ण उत्तर या किसी भाग का उत्तर जाँचे बिना छूटना
- किसी उत्तर पर निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना
- उत्तर पर दिए गए अंक और मुखपृष्ठ पर अंतरित अंकों में अंतर
- मुखपृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग की अशुद्धि
- कुल अंक योग में अशुद्धि
- शब्दों और अंकों में मिलान न होना
- अंको को उत्तर पुस्तिका से ऑन लाइन अंतरित करने में अशुद्धि
- उत्तर को सही चिह्नित करना किंतु अंक प्रदान न करना (✓ और × चिह्नों का यथास्थान उपयोग)
- उत्तर का एक अंश सही चिह्नित कर दूसरे को गलत चिह्नित करना किंतु सही पर अंक न देना

10. उत्तर पुस्तिकाओं पर मूल्यांकन करते समय यदि कोई उत्तर पूर्णतः गलत मिलता है तो उस पर गलत (×) चिह्नित कर शून्य (0) अंक दिए जाएँ।